राजकीय इण्टर कॉलेज (G.I.C) प्रवक्ता परीक्षा 2021

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित हल प्रश्न पत्र

1. किसने कहा है कि, ''लौकिकीकरण को समाज के विवेकीकरण के एक माप के रूप में प्रयोग किया जा रहा है''

(a) मैक्स वेबर (b) एम.एन. श्रीनिवास
(c) ए.आर. देसाई (d) आई.पी.देसाई

Ans. (a) : मैक्स वेबर के अनुसार, ''लौकिकीकरण को समाज के विवेकीकरण के एक माप के रूप में प्रयोग किया जा रहा है''। एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें किसी समाज के सदस्यों के विचार एवं व्यवहार के निर्धारण के लिए धार्मिक मान्यताओं एवं संस्थाओं की अपेक्षा बुद्धिसंगत एवं तार्किक वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अधिक महत्व दिया जाता है लौकिकीकरण कहलाती है। एक आन्दोलन के रूप में लौकिकीकरण का उद्भव एवं विकास उन्नीसवीं शताब्दी में ब्रिटेन में जी.के. होल्के के नेतृत्व में हुआ था।

2. बहुलक निर्धारण के सूत्र Z = 3M - 2X में, 'X' क्या है?

(a) समान्तर माध्य (b) माध्यिका
(c) बहुलक (d) मानक विचलन

Ans. (a) : बहुलक निर्धारण के सूत्र Z = 3M – 2X में, 'X' समान्तर माध्य है।
बहुलक = 3 (माध्यिका) – 2 (समान्तर माध्य)

3. 'कोर्वी-व्यवस्था' पद का प्रयोग किया है-

(a) मैक्स वेबर ने (b) कार्ल मार्क्स ने
(c) इमाईल दुर्खीम ने (d) अगस्त कॉम्टे ने

Ans. (b) : कोर्वी व्यवस्था पद का प्रयोग कार्ल मार्क्स ने किया है।

4. 'हरित-क्रांति' के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है/हैं?
(1) हरित-क्रांति केवल एच.वाई.वी. बीजों के उपयोग में ही नहीं थी।
(2) यह एक पैकेज था।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 तथा 2 दोनों (d) न तो 1 ना ही 2

Ans. (c) : हरित-क्रांति के सन्दर्भ में प्रश्नगत दोनों कथन सही है वर्ष 1960 के मध्य में पूरे देश में अकाल की स्थिति बनने लगी थी। इन परिस्थितियों में भारत सरकार ने विदेशों से हाइब्रिड प्रजाति के बीज मंगाए। अपनी उच्च उत्पादकता के कारण इन बीजों को उच्च उत्पादकता किस्में (High yeilding varieties- HYV) कहा जाता था। इसके तहत अनाज उगाने के लिए प्रयुक्त पारंपरिक बीजों के स्थान पर उन्नत किस्म के बीजों के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया। यह एक पैकेज के तौर पर प्रयोग था।

5. किसने एक परिकल्पना को 'किसी ऐसी चीज. के बारे में एक अस्थायी कथन जिसकी वैधता अज्ञात है', के रूप में परिभाषित किया है?

(a) ए.जे. ब्लैक तथा डीन जे. चैम्पियन
(b) एस.एक्रोयड एवं जे. ह्यूजेस
(c) एन.एम. ब्रैडबर्न एवं एस. सुडमैन
(d) आर. बोडगन एवं एस. के बिल्डेन

Ans. (a) : ए.जे. ब्लैक तथा डीन जे. चैम्पियन ने परिकल्पना को 'किसी ऐसी चीज के बारे में एक अस्थायी कथन जिसकी वैधता अज्ञात है' के रूप में परिभाषित किया है।

6. 'प्रतिकारी-कानून' की अवधारणा से कौन संबंधित है?

(a) सदरलैण्ड (b) लोम्ब्रोसो
(c) दुर्खीम (d) क्लोवार्ड

Ans. (c) : इमाईल दुर्खीम प्रतिकारी-कानून की अवधारणा से संबंधित हैं। इन कानूनों का उद्देश्य व्यक्तियों के पारस्परिक सम्बन्धों में उत्पन्न असन्तुलन में सामान्य स्थिति पैदा करना है। इसके अन्तर्गत दीवानी कानून, व्यावसायिक कानून, संवैधानिक एवं प्रशासनिक कानून आदि आते हैं।

7. निम्नलिखित में से किस विद्वान ने समय एवं स्थान को सामाजिक जीवन में नये सिरे से परिभाषित किया है तथा इसके लिए 'समय-स्थान दूरीकरण' अवधारणा का प्रयोग किया है?

(a) एम.फूको (b) जे.डेरिडा
(c) एन्थोनी गिडेन्स (d) एफ. जेम्सन

Ans. (c) : एन्थोनी गिडेन्स ने समय एवं स्थान को सामाजिक जीवन में नये सिरे से परिभाषित किया है। तथा इसके लिए 'समय-स्थान दूरीकरण' अवधारणा का प्रयोग किया है।

8. किसके अनुसार, सामाजिक नियंत्रण की यांत्रिकी 'द्वैतीयक रक्षाओं, की भाँति विचलन को रोकने के लिए क्रियान्वित होती है?

(a) टैल्कॉट पार्सन्स (b) पॉल लैंडिस
(c) एफ.एम.एल. थॉम्पसन (d) इमाईल दुर्खीम

Ans. (a) : टालकॉट पार्सन्स के अनुसार, सामाजिक नियंत्रण की यांत्रिकी 'दैतीयक रक्षाओं' की भाँति विचलन को रोकने के लिए क्रियान्वित होती है।

9. **'लोक-नगरीय सातत्य' अवधारणा का प्रतिपादन किया है-**
(a) मिल्टन सिंगर ने (b) रॉबर्ट रेडफील्ड ने
(c) मैकिम मैरियट ने (d) एस. सी. दुबे ने

Ans. (b) : रॉबर्ट रेडफील्ड ने 'लोक-नगरीय सातत्य' अवधारणा का प्रतिपादन किया और कहा कि अत्यंत छोटे गांवों (लोक समाजों) और विशाल नगरों के बीच एक निरन्तरता होती है। लोक समाज और नगरीय समाज इस निरन्तरता के दो छोर है, किन्तु इन दोनों के बीच कई ऐसे गाँव और नगर होते हैं जिनमें दोनों की विशेषताएं पायी जाती है।

10. **कौन सी शोध-प्रचना, शास्त्रीय प्रचना के रूप में जानी जाती है?**
(a) अन्वेषणात्मक शोध-प्ररचना
(b) वर्णनात्मक शोध-प्ररचना
(c) प्रायोगिक शोध-प्ररचना
(d) क्रियात्मक शोध-प्ररचना

Ans. (c) : प्रायोगिक शोध-प्ररचना शास्त्रीय प्ररचना के रूप में जानी जाती है। चेपिन ने लिखा है, ''समाजशास्त्रीय शोध में प्रयोगात्मक प्ररचना (परीक्षाणात्मक प्ररचना) की अवधारणा नियंत्रण की दशाओं के अन्तर्गत अवलोकन द्वारा मानवीय सम्बन्धों के अध्ययन की ओर संकेत करती है।'' स्पष्ट है कि जिस प्रकार भौतिक विज्ञानों में विषय को नियंत्रित अवस्थाओं में रखकर उसका अध्ययन किया जाता है, उसी प्रकार नियंत्रित अवस्थाओं में अवलोकन परिक्षण के द्वारा सामाजिक घटनाओं का अध्ययन करने को ही प्रयोगात्मक शोध कहते हैं।

11. **''विश्व के बारे में अपने सिद्धांत में उन्होंने बौद्धिक कारकों को केन्द्रित किया है। वास्तव में, उन्होंने तर्क दिया कि बौद्धिक-अवस्था ही सामाजिक-अव्यवस्था का कारण है''। उक्त पंक्तियाँ किसके लिए उद्धृत है?**
(a) सेन्ट साइमन (b) अगस्त कॉम्टे
(c) इमाईल दुर्खीम (d) हर्बर्ट स्पेन्सर

Ans. (b) : ''बौद्धिक अवस्था ही सामाजिक अव्यवस्था का कारण है उक्त पंक्तियाँ आगस्त कॉम्टे के लिए उद्धृत है।

12. **निम्नांकित में कौन एक वैज्ञानिक शोध की विशेषता नहीं है?**
(a) सत्यापनशीलता (b) निश्चयात्मकता
(c) विशिष्टता (d) वैषयिकता

Ans. (c) : विशिष्टता वैज्ञानिक शोध की विशेषता नहीं है। वैज्ञानिक शोध में निम्नलिखित विशेषताएँ पायी जाती है।
(1) प्रमाणिकता या सत्यापनशीलता
(2) वस्तुनिष्ठता
(3) निश्चयात्मकता
(4) सामान्यता
(5) क्रमबद्धता
(6) कार्य-कारण संबंध
(7) पूर्वानुमान
(8) सिद्धांत सार्वभौमिक
(9) भविष्यवाणी करने की क्षमता
(10) तर्क की प्रधानता

13. **एडमंड हुसर्ल ने प्रघटनाविज्ञान सिद्धांत में, अपने विचारों की विवेचना हेतु जिन अवधारणाओं का प्रयोग किया है, वे हैं-**
(1) तात्पर्य अन्तर्वस्तु
(2) ज्ञान का कोष्ठीकरण
(3) परिप्रेक्ष्यों की पारस्परिकता
(4) चेतना की अभिप्रायिकता
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-
Code/कूट
(a) 1 एवं 2 (b) 2 एवं 3
(c) 2 एवं 4 (d) 3 एवं 4

Ans. (c) : एडमंड हुसर्ल ने प्रघटनाविज्ञान सिद्धांत में अपने विचारों की विवेचना हेतु ज्ञान का कोष्ठीकरण या प्रघटनाशास्त्रीय लघुकरण एवं चेतना की अभिप्रायिकता की अवधारणाओं का प्रयोग किया है। दर्शनशास्त्र की एक विधि के रूप में प्रघटनाशास्त्र का मूल विषय चेतना के बारे में व्यवस्थित रूप में जानकारी प्राप्त करना है।

14. **''प्रमाप-विचलन, इस प्रकार विचलनों के वर्गों के माध्य का वर्गमूल है।'' यह किसने परिभाषित किया?**
(a) ए.एल.बाउले (b) एल.आर.कॉनर
(c) डी.एन.एलहंस (d) एफ.सी. मिल्स

Ans. (d) : ''प्रमाप-विचलन, इस प्रकार विचलनों के वर्गों के माध्य का वर्गमूल है''। यह एफ.सी.मिल्स ने परिभाषित किया है।

15. **किस वर्ष 'अनुसूचित जाति' पारिभाषित शब्द प्रस्तावित किया गया?**
(a) 1932 (b) 1930
(c) 1933 (d) 1931

Ans. (a) : वर्ष 1932 में बंगाल की तत्कालीन प्रांतीय सरकार द्वारा भारतीय मताधिकार समिति के समक्ष अनुसूचित जाति का नाम प्रस्तावित किया गया था तद्नुसार भारत सरकार अधिनियम 1935 में पहली बार इन वर्गों की सूची वाली एक अनुसूची जोड़ी गई। इससे पहले उन्हें दलित वर्ग के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

16. **गारफिंकेल के लोकविधि विज्ञान में जिन प्रमुख अवधारणाओं को प्रयुक्त किया गया है, वे हैं-**
(1) दस्तावेजी विधि
(2) निजवाचक क्रिया
(3) निर्देशिका
(4) सामान्य वास्तविकता
नीचे दिए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट

(a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3
(c) 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

Ans. (d) : गारफिंकेल के द्वारा लोकविधि विज्ञान में दस्तावेजी विधि, निजवाचक क्रिया, निर्देशिका एवं सामान्य वास्तविकता प्रमुख अवधारणाओं को प्रयुक्त किया गया है।

17. भारत में 'समान पारिश्रमिक अधिनियम' किस वर्ष पारित किया गया?
(a) 1976 (b) 1977
(c) 1981 (d) 1973

Ans. (a) : भारत में समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 में पारित किया गया।
इनका कार्यान्वयन दो स्तरों पर किया गया।
1. केन्द्रीय क्षेत्र
2. राज्य क्षेत्र

18. 'नृजाति विज्ञान पद्धति' का संस्थापक किसे माना जाता है?
(a) ई.दुर्खीम (b) बी.मैलिनोवस्की
(c) हैरोल्ड गारफिंकेल (d) अल्फ्रेड शूट्ज

Ans. (c) : नृजाति विज्ञान पद्धति का संस्थापक हैरोल्ड गारफिंकेल को माना जाता है क्योंकि सर्वप्रथम गारफिंकेल ने अपनी पुस्तक 'स्टडीज इन एथनोमैथोडोलॉजी' में इस उपागम को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया है। यह उपागम व्यक्ति के जीवन की दिन-प्रतिदिन की सामान्य क्रियाओं से सम्बन्धित है। इस उपागम में निम्नलिखित तीन पक्षों के अध्ययन पर जोर दिया जाता है-
(1) दिन-प्रतिदिन की सामान्य क्रियाएं,
(2) भाषा का सामाजिक पक्ष,
(3) सामाजिक प्रतिमानों का वह पक्ष जो कि व्यक्ति अपने व्यवहार के काम में लेता है।

19. यू.एन.डी.पी. (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम) ने किन वर्षों में मानव-गरीबी सूचकांक तथा बहुआयामी - गरीबी सूचकांक विकसित किया?
(a) 1996 एवं 2006 (b) 1997 एवं 2010
(c) 1998 एवं 2011 (d) 1999 एवं 2012

Ans. (b) : यू.एन.डी.पी. (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम) ने वर्ष 1997 एवं 2010 में मानव-गरीबी सूचकांक (Human Poverty Index) तथा बहुआयामी-गरीबी सूचकांक (Multidimentsional Poverty Index) विकसित किया।

20. ''यह सत्य है, कि आर्थिक-विकास के वर्तमान स्तर की दृष्टि से एशिया, अति-शहरीकृत है।'' ऐसी तर्कपूर्ण टिप्पणी किसने की है?
(a) पी.एम. हॉसर
(b) एम.एस.गोरे
(c) किंग्सले डेविस
(d) टी.जी. मक्गी

Ans. (a) : ''यह सत्य है, कि आर्थिक-विकास के वर्तमान स्तर की दृष्टि से एशिया, अति-शहरीकृत है।'' यह तर्कपूर्ण टिप्पणी पी.एम. हॉसर की है।

21. ''समाज एक सामान्य पद है'', वह व्यक्ति जिन्होंने ऐसा इंगित किया है, वे हैं-
(a) एम.एफ. अब्राहम (b) रेमन्ड ऐरों
(c) योगेश अटल (d) आन्द्रे बेते

Ans. (c) : योगेश अटल के अनुसार, ''समाज एक सामान्य पद है।''

22. 'कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना' किस वर्ष प्रारम्भ की गयी?
(a) 2005 (b) 2003
(c) 2004 (d) 2006

Ans. (c) : कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना वर्ष 2004 में प्रारम्भ की गयी। यह केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जाने वाली महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत देश की पिछड़े वर्ग और गॉव में निवास करने वाली अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदायों और गरीबी रेखा से नीचे की लड़कियों को मुफ्त में शिक्षा दी जाती है।

23. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

	सूची-I		सूची-II
A.	द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद	1.	दुर्खीम
B.	आदर्श प्रारूप	2.	स्पेन्सर
C.	सामाजिक तथ्य	3.	मार्क्स
D.	सामाजिक डार्विनवाद	4.	वेबर

कूट

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	3	4	1	2
(c)	2	4	3	1
(d)	4	3	1	2

Ans. (b) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

(सूची-I)	(सूची-II)
द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद	- कार्ल मार्क्स
आदर्श प्रारूप	- मैक्स वेबर
सामाजिक तथ्य	- इमाईल दुर्खीम
सामाजिक डार्विनवाद	- स्पेन्सर

24. निम्नलिखित में से कौन शोध-प्रारूप से संबंधित नहीं है?
(a) जे.डब्ल्यू. क्रेसवेल (b) जे.बी. सिमोन्स
(c) एफ.एन. करलिंगर (d) ए.बी. थीयेर

Ans. (b) : जे. बी. सिमोन्स शोध-प्रारूप से संबंधित नहीं हैं। जबकि जे. डब्ल्यू. क्रेसवेल, एफ.एन. करलिंगर एवं ए.बी. थीयेर शोध-प्रारूप से संबंधित हैं।

25. ''समाजशास्त्र को समाज-प्रक्षेत्र का अध्ययन करने वाला कहा जा सकता है।'' यह किसका कथन है?

(a) योगेश अटल (b) बी.आर. चौहान
(c) आर.एन. सक्सेना (d) योगेन्द्र सिंह

Ans. (a) : योगेश अटल के अनुसार ''समाजशास्त्र को समाज-प्रक्षेत्र का अध्ययन करने वाला कहा जा सकता है।''

26. निम्न में से किस प्रतीकात्मक - अन्तःक्रियावादी द्वारा 'भूमिका-ग्रहण' की अवधारणा का प्रयोग किया गया?

(a) सी.एच.कूले (b) जी.एच.मीड
(c) एम. कुह्न (d) एच.ब्लूमर

Ans. (b) : प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावादी द्वारा 'भूमिका-ग्रहण' की अवधारणा का प्रयोग जी.एच.मीड, द्वारा किया गया है। किसी अन्य व्यक्ति के वास्तविक व्यवहार को अनुमान करने के उद्देश्य से उस व्यक्ति की कल्पना कर उसकी मनोवृत्तियों एवं दृष्टिकोणों को अपनाने की प्रक्रिया 'भूमिका-ग्रहण' कहलाती है।

27. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

List-I (शोधकर्त्ता)		List-II (अध्ययन का क्षेत्र)	
A.	एम. एन. श्रीनिवास	1.	शामिरपेट
B.	योगेन्द्र सिंह	2.	रामपुरा
C.	एस.सी. दुबे	3.	किशनगढ़ी
D.	मैकिम मैरियट	4.	चानुखेड़ा

Code/कूट

	A	B	C	D
(a)	2	4	1	3
(b)	4	2	1	3
(c)	2	4	3	1
(d)	4	2	3	1

Ans. (a) :

(शोधकर्ता)		(अध्ययन का क्षेत्र)
एम.एन. श्रीनिवास	-	रामपुरा
योगेन्द्र सिंह	-	चानुखेड़ा
एस.सी.दुबे	-	शमीरपेट
मैकिम मैरियट	-	किशनगढ़ी

28. भारत में पश्चिमीकरण की प्रक्रिया के कारण जो बदलाव आये हैं, उन्हें निम्न चार शीर्षकों में विवेचित किया जा सकता है-

(1) विलोपनवादी परिवर्तन
(2) योगशील परिवर्तन
(3) सहायक परिवर्तन
(4) संश्लिष्ट परिवर्तन

उक्त सामान्यीकरण का उल्लेख किया है-

(a) वाई.सिंह. ने (b) एस.एच.अलतास ने
(c) एम.एन. श्रीनिवास ने (d) बी.बी मिश्रा ने

Ans. (b) : भारत में पश्चिमीकरण के प्रक्रिया के कारण जो बदलाव आये हैं उसे एस.एच. अलतास ने चार शीर्षकों में विवेचित किया है जो निम्न है-(1) विलोपनवादी परिवर्तन, (2) योगशील परिवर्तन, (3) सहायक परिवर्तन, (4) संश्लिष्ट परिवर्तन।

29. 'सहभागी-अवलोकन' का पद किसके साथ जुड़ा है?

(a) एच.आर.बर्नार्ड (b) पी.वी. यंग
(c) फ्रांज बोअस (d) ई.लिंडमैन

Ans. (d) : वर्ष 1924 में लिंडमैन ने अपनी पुस्तक सोशल डिस्कवरी (Social Discovery) में सर्वप्रथम सहभागी अवलोकन शब्द का प्रयोग किया।
यद्यपि इससे पूर्व भी एस प्रविधि का प्रयोग मानव शास्त्र एवं समाजशास्त्र में होता रहा है।

30. नारी-मुक्ति के लिए निम्न चरण किसने सुझाये हैं?

(1) गृहस्थ महिलाओं की भूमिका की समाप्ति
(2) परिवार की समाप्ति

(a) रॉसी (b) ओकले
(c) मिशेल (d) मॉर्गन

Ans. (b) : नारी मुक्ति के लिए निम्न चरण ओकले ने सुझाया है। जो निम्न है- (1) गृहस्थ महिलाओं की भूमिका की समाप्ति, तथा (2) परिवार की समाप्ति।

31. मीड के 'प्रतीकात्मक- अन्तःक्रियावाद' की महत्त्वपूर्ण जड़ें कौन सी है/हैं?

(1) उपयोगितावाद का दर्शन
(2) व्यवहारवाद का मनोविज्ञान
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 तथा 2 दोनों (d) न तो 1 ना ही 2

Ans. (c) : मीड के प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद की महत्वपूर्ण जड़ें उपयोगितावाद का दर्शन एवं व्यवहार का मनोविज्ञान से है। अन्तर्क्रियावादियों के विश्लेषण की मूल इकाई 'स्व' है जो उन तरीकों पर बल देता है जिनके द्वारा व्यक्ति अपने आपको वस्तु समझने लग सकते हैं और भूमिका-ग्रहण की प्रक्रिया द्वारा दूसरों की भूमिका सम्पादित करते हैं। इसी प्रक्रिया को कूले ने 'आत्मदर्पण दर्शन' और मीड ने 'स्व' की अवधारणाओं द्वारा समझाया है।

32. प्रतिस्पर्धा को 'शांतिपूर्ण संघर्ष' के रूप में विवेचित किया है-

(a) गिलिन एवं गिलिन ने (b) फिक्टर ने
(c) मैक्स वेबर ने (d) कोज़र ने

Ans. (c) : मैक्स वेबर ने प्रतिस्पर्धा को 'शांतिपूर्ण संघर्ष' के रूप में विवेचित किया है जिसमें शांतिपूर्ण प्रयत्नों द्वारा ऐसे अवसरों तथा लाभों पर नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है जो दूसरों के द्वारा भी वांछित हैं।
नोट- उ0प्र0 लोक सेवा आयोग ने विकल्प (d) को सही माना है।

33. एक प्रख्यात विद्वान, जिन्होंने सामाजीकरण की प्रक्रिया में 'सांस्कृतिक आत्मसात्मीकरण' एवं 'सांस्कृतिक पारेषण' को पर्याप्त महत्त्व दिया है-

(a) शेरिफ एवं शेरिफ (b) एच.एम. जॉनसन
(c) किम्बॉल यंग (d) ब्रूम एवं सेल्ज़निक

Ans. (c) : किम्बॉल यंग ने समाजीकरण की प्रक्रिया में 'सांस्कृतिक आत्मसात्मीकरण' एवं 'सांस्कृतिक पारेषण' को पर्याप्त महत्व दिया है।

34. निम्नलिखित में से कौन सा समाजशास्त्री, जाति को पूर्णतः एक विशिष्ट भारतीय प्रघटना नहीं मानता है?

(a) जी.एस. घुर्ये (b) पी.एच. प्रभु
(c) जे.एच. हट्टन (d) एस.सी. दुबे

Ans. (a) : जी.एस. घुर्ये जाति को पूर्णतः एक विशिष्ट भारतीय प्रघटना नहीं मानते हैं। घुर्ये जाति व्यवस्था पर चर्चा अपनी पुस्तक 'Caste, Class and Occupation' में जाति प्रथा के लक्षणों, स्वरूपों, विभिन्न युगों में जाति, प्रजाति, भारत के बाहर जातियों के तत्वों, जाति की उत्पत्ति, अनुसूचित जातियों, व्यवसाय एवं जाति वर्ग के कार्यों एवं जाति के भविष्य आदि विषयों पर चर्चा की है।

35. निम्न में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

	पुस्तक	लेखक
(A)	डायवर्सिटीज	डी.पी. मुखर्जी
(B)	इन्डियाज चेंजिंग विलेज	एस.सी.दुबे
(C)	सोशियोलॉजी ऑफ इण्डियन सोशियोलॉजी	राधा कमल मुखर्जी
(D)	विलेज इंडिया	मैकिम मैरियट

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

(पुस्तक)		**(लेखक)**
डायवर्सिटीज	-	डी.पी. मुखर्जी
इन्डियाज चेंजिंग विलेज	-	एसी.सी.दुबे
सोशियोलॉजी ऑफ इण्डियन सोशियोलॉजी	-	रामकृष्ण मुखर्जी
विलेज इण्डिया	-	मैकिम मैरियट

36. गरीबी के मुख्य कारण हैं-

(1) स्वयं व्यक्ति
(2) संस्कृति अथवा गरीबी की उप-संस्कृति
(3) सामाजिक संरचना अर्थात अन्यायपूर्ण सामाजिक परिस्थिति
(4) सीमित अथवा प्रतिबंधित अवसर

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट-

(a) 1 और 4 (b) 1, 2 और 3
(c) 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

Ans. (d) : गरीबी से आशय किसी व्यक्ति या जनसंख्या के निम्न जीवन स्तर से लगाया जा सकता है जिसके अंतर्गत व्यक्ति अपनी और अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में असमर्थ हो जाता है गरीबी के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं- स्वयं व्यक्ति, बढ़ती जनसंख्या, संस्कृति अथवा सामाजिक परिस्थिति, सीमित अथवा प्रतिबंधित अवसर, शिक्षा का अभाव इत्यादि।

37. लोकविधि विज्ञान के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है/हैं?

(1) लोकविधि विज्ञान, सामान्य बोध की पद्धति का प्रयोग नहीं करता है।
(2) वे यथार्थ निर्माण की सामान्य बोध पद्धति का अध्ययन करते हैं।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूटः

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 तथा 2 दोनों
(d) न तो 1 ना ही 2

Ans. (c) : लोकविधि विज्ञान सामान्य बोध की पद्धति का प्रयोग नहीं करता है जबकि वे यथार्थ निर्माण की सामान्य बोध पद्धति का अध्ययन करते हैं। लोकविधि विज्ञान के प्रवर्तक सामाजिक संरचना को प्रदत्त नहीं मानकर परिवर्तनशील प्रघटना मानते हैं। इस उपागम में उस सामाजिक यथार्थ के अध्ययन पर जोर दिया जाता है जिसका निर्माण सामाजिक अन्तःक्रिया के माध्यम से होता है। इस उपागम में व्यक्ति की प्रस्थिति के बजाय उसके भूमिका अदा करने की विशिष्टता अधिक महत्वपूर्ण है।

38. वेबर के विचार के अनुसार ऐतिहासिक-प्रगति तथा विकास को एक प्रक्रिया द्वारा व्यक्त कर सकते हैं, जिसे उन्होंने कहा-

(a) विवेकीकरण (b) नौकरशाही
(c) प्रबोधन (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : वेबर के विचार के अनुसार, ऐतिहासिक प्रगति तथा विकास को विवेकीकरण की प्रक्रिया द्वारा व्यक्त कर सकते हैं।

39. कौन, ''बन्धुत्व को सभी सामाजिक-संबंधों का मूल स्रोत'' स्वीकार करता है?

(a) टी.एन. मदन (b) इरावती कर्वे
(c) जी.एस. घुर्ये (d) आई.पी.देसाई

Ans. (b) : इरावती कर्वे बन्धुत्व को सभी सामाजिक संबंधों का मूल स्रोत मानती हैं। सामाजिक रूप से मान्यता प्राप्त ऐसे संबंधों को बंधुत्व या स्वजनता कहा जाता है जो रक्त, विवाह अथवा दत्तकता पर आधारित होते हैं।

40. ''विश्वास का टूटना ही, आधुनिकता का बहुत बड़ा परिणाम है।'' वह व्यक्ति जिन्होंने ऐसा उग्र सामान्यीकरण किया है, वे हैं-

(a) निकलस लुहमान (b) एन्थोनी गिडेन्स
(c) मैल्कम वाटर्स (d) जे. रोजेनाऊ

Ans. (b) : एन्थोनी गिडेन्स के अनुसार, विश्वास का टूटना ही आधुनिकता का बहुत बड़ा परिणाम है। गिडेन्स ने आधुनिकता को ''जॅगरनॉट'' की संज्ञा दी है, जिसके कई लाभ के साथ-साथ अनेक खतरे भी हैं। इन खतरों में उन्होंने आधुनिक जॅगरनॉट के साथ जुड़ी जोखिमों का भी संकेत दिया है। इसलिये उल्रिच बेक ने आधुनिकता को ''जोखिम समाज'' (रिस्क सोसाइटी) कहा है। जहाँ गिडेन्स और बेक ने आधुनिकता के नकारात्मक पक्ष को उभारा है।

41. मीड के अनुसार, 'स्वयं का सार' होता है-

(a) भूमिका ग्रहण (b) परावर्तनता
(c) चेतना (d) इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : मीड के अनुसार स्वयं का सार परावर्तनता है। कूले के अतिरिक्त स्व की अवधारणा का समाजशास्त्र में अत्यधिक प्रयोग विलियम जेम्स और मीड ने किया है और यही अवधारणा सांकेतिक अन्तर्क्रियावाद का आधार है यह अवधारणा मानव प्राणी की परावर्ती (प्रतिबिम्ब) और प्रतिवर्ती क्षमता को उजागर करती है।

42. सामाजिक नियंत्रण की यांत्रिकी के अंतर्गत निम्नलिखित में से किसका उल्लेख टैल्कॉट पार्सन्स द्वारा नहीं किया गया है?

(a) सुरक्षा-दार यांत्रिकी (b) सकारात्मक यांत्रिकी
(c) नकारात्मक यांत्रिकी (d) चिकित्सीय यांत्रिकी

Ans. (a) : सामाजिक नियंत्रण की यांत्रिकी के अन्तर्गत टालकॉट पार्सन्स ने सुरक्षा-द्वार यांत्रिकी का उल्लेख नहीं किया है जबकि उन्होंने सकारात्मक यांत्रिकी, नकारात्मक यांत्रिकी एवं चिकित्सीय यांत्रिकी का उल्लेख किया है।

43. 'कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न, रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम' किस वर्ष अस्तित्व में आया?

(a) 2011 (b) 2011
(c) 2013 (d) 2014

Ans. (c) : कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न, रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम वर्ष 2013 में आस्तित्व में आया। इसके अन्तर्गत निम्नलिखित कोई एक या अधिक अवांछनीय कार्य या व्यवहार हो सकते हैं-
(1) शारीरिक संपर्क और अग्रगमन,
(2) लैंगिक अनुकूलता की मांग या अनुरोध करना,
(3) लैंगिक अत्युक्त टिप्पणियाँ करना,
(4) अश्लील साहित्य दिखाना तथा
(5) लैंगिक प्रकृति का कोई अन्य अवांछनीय शारीरिक, मौखिक या अमौखिक आचरण करना।

44. सामाजिक सर्वेक्षण के लिए तथ्य-संकलन की कौनसी पद्धति प्रयोग में लायी जाती है?

(a) प्रश्नावली तथा संरचित साक्षात्कार
(b) असहभागी अवलोकन तथा प्रश्नावली
(c) अवलोकन तथा प्रश्नावली
(d) असंरक्षित साक्षात्कार

Ans. (a) : सामाजिक सर्वेक्षण के लिए तथ्य संकलन की प्रश्नावली तथा संरचित साक्षात्कार पद्धति प्रयोग में लायी जाती है। यह एक सामान्य उपकरण है जिसका उपयोग मात्रात्मक अवलोकन में किया जाता है। यह मानकीकृत प्रश्नों के एक सेट से बना होता है और आमतौर पर एक मानकीकृत साक्षात्कार अनुक्रम में व्यवस्थित होता है तथा प्रासंगिक जानकारी एकत्र करने के लिए एक निश्चित डेटा नमूने के लिए प्रशासित होता है।

45. किसने सामाजिक संरचना को संस्थागत व्यवस्था तथा क्षेत्रों के सन्दर्भ में परिभाषित किया है?

(a) गिलिन एवं गिलिन
(b) मैकाइवर एवं पेज
(c) टी.बी. बोटोमोर
(d) गर्थ एवं मिल्स

Ans. (d) : गर्थ एवं मिल्स ने सामाजिक संरचना को संस्थागत व्यवस्था तथा क्षेत्रों के सन्दर्भ में परिभाषित किया है।

46. अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के शिक्षा तथा आर्थिक हितों की रक्षा के लिए भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में इसका उल्लेख है?

(a) 43 (b) 44
(c) 45 (d) 46

Ans. (d) : अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के शिक्षा तथा आर्थिक हितों की रक्षा के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 46 में विशेष प्रावधान है। राज्य जनता के दुर्बल वर्गों के विशेषकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के शैक्षिक तथा आर्थिक हितों की विशेष सावधानी से अभिवृद्धि करेगा और सामाजिक अन्याय एवं सभी प्रकार के शोषण से उनकी संरक्षा करेगा।

47. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है–
कथन (A)- आई.आर.डी.पी. 1980-81 में प्रारम्भ हुआ था-
कथन (R) - यह एक साख (क्रेडिट) से जुड़ा कार्यक्रम था।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-
कूट-

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है

Ans. (b) : आई.आर.डी.पी. (Integrated Rural Development Programme) 2 अक्टूबर, 1980 को पूरे देश भर में प्रारम्भ किया गया था। यह भारत सरकार का एक ग्रामीण विकास कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य गरीब ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार कार्यक्रम प्रदान करना था। यह एक साख (क्रेडिट) से जुड़ा कार्यक्रम था। अतः कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

48. किसने कहा है कि, ''एक संयुक्त परिवार, हमेशा रहने के लिए एक 'रोमांचक समूह' है''?

(a) जी.पी. मरडॉक (b) इरावती कर्वे
(c) एम.एस.गोरे (d) आई.पी.देसाई

Ans. (b) : इरावती कर्वे के अनुसार, ''एक संयुक्त परिवार हमेशा रहने के लिए एक रोमांचक समूह है।''

49. सामाजिक परिवर्तन के 'संज्ञानात्मक-ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' से मुख्यतया कौन संबंधित है?

(a) ए.आर. देसाई (b) लूईस ड्यूमा
(c) मैकिम मैरियट (d) एम.एन. श्रीनिवास

Ans. (b) : सामाजिक परिवर्तन के संज्ञानात्मक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से लुईस ड्यूमॉ संबंधित हैं। सामाजिक परिवर्तन के सन्दर्भ में ड्यूमॉ की समझ मुख्य रूप से प्राचीन ग्रन्थों से ली गई है। इसलिए, हम उसे संज्ञानात्मक-ऐतिहासिक और वैज्ञानिक की श्रेणी में मानते हैं।

50. कौन 'सामाजिक पारिस्थितिकी' के अध्ययन से संबंधित है?

(a) आर.के. मुखर्जी (b) अरबिन्दो
(c) गाँधी (d) योगेन्द्र सिंह

Ans. (a) : सामाजिक पारिस्थितिकी के अध्ययन से आर.के. मुखर्जी संबंधित हैं। विज्ञान की वह शाखा जो मानवीय आवास के क्षेत्रों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक लक्षणों एवं संकुलों के स्थानिक वितरण तथा सामाजिक एवं पारिस्थितिकीय प्रक्रियाओं की अन्तर्क्रिया के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाली घटनाओं की उत्पत्ति एवं परिवर्तन का अध्ययन करती है, सामाजिक पारिस्थितिकी के नाम से जानी जाती है।

51. निम्नलिखित समाज वैज्ञानिकों में से, किसने 'आफ्टर मार्किसज्म' पुस्तक लिखी है?

(a) फ्रेड्रिक जेम्सन (b) उलरिक बेक
(c) जे. हैबरमास (d) रोनाल्ड एरोन्सन

Ans. (d) : 'ऑफ्टर मार्किसज्म' पुस्तक के लेखक रोनाल्ड एरोन्सन हैं इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ निम्न हैं–

- Living without God
- Camus and Sartre

52. 'प्रकार्यात्मक-विकल्पों' की अवधारणा किसने दी है?

(a) ई.दुर्खीम (b) आर.के. मर्टन
(c) टी. पार्सन्स (d) बी. मैलिनोवस्की

Ans. (b) : आर.के. मर्टन ने प्रकार्यात्मक विकल्प, प्रकार्यात्मक समतुल्य तथा प्रकार्यात्मक अनुकल्प की अवधारणाओं को प्रस्तुत किया है। मर्टन के अनुसार एक सामाजिक अथवा सांस्कृतिक के अनेक प्रकार्य हो सकते हैं।

53. ''प्रघटनाशास्त्रीय ह्रास का उद्देश्य, विचार की प्राथमिकता को प्रकट करना है।'' यह किसका विचार है?

(a) जी.डब्ल्यू एफ. हीगल (b) एडमंड हुसर्ल
(c) अल्फ्रेड शूट्ज (d) एम. हाइडेगर

Ans. (b) : एडमंड हुसर्ल का विचार है, कि '' प्रघटनाशास्त्रीय ह्रास का उद्देश्य विचार की प्राथमिकता को प्रकट करना है।''

54. ''बाह्यजनित सम्पर्कों से प्रेरित परिवर्तनों का शुद्ध परिणाम, आधुनिकीकरण है'' इस सामान्यीकरण का किनसे संबंध है?

(a) एस. सी. दुबे (b) जेम्स ओ' कॉनेल
(c) डेनियल बेल (d) योगेन्द्र सिंह

Ans. (d) : ''बाह्यजनित सम्पर्कों से प्रेरित परिवर्तनों का शुद्ध परिणाम, आधुनिकीकरण है।'' इस सामान्यीकरण का संबंध योगेन्द्र सिंह से है।

55. शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा में, (वे) सबसे प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने सर्वप्रथम चौंकाने वाली प्राकल्पना प्रस्तुत की थी कि, 'सामाजिक सुदृढ़ता का स्रोत, श्रम विभाजन है।' यह किसकी ओर इशारा था?

(a) अगस्त कॉम्टे (b) इमाईल दुर्खीम
(c) सेन्ट साइमन (d) रॉबर्ट निस्बेट

Ans. (b) : इमाईल दुर्खीम के अनुसार, 'सामाजिक सुदृढ़ता का स्रोत, श्रम विभाजन है।' श्रम का विभाजन समाज के गतिशील या नैतिक घनत्व के सीधे अनुपात से है। इसे लोगों की एकाग्रता और किसी समूह या समाज के समाजीकरण की मात्रा के संयोजन के रूप में परिभाषित किया गया है।

नोट- उ0प्र0 लोक सेवा आयोग ने प्रश्नगत विकल्प (a) को सही माना है।

56. ''विवाह स्वयं में एक संस्था है, प्रथा नहीं है।'' यह कथन किसका है?

(a) डब्ल्यू, जी. समनर
(b) ए.जी. केलर
(c) वेस्टरमार्क
(d) आर.एम. मैकाइवर एवं सी. एच. पेज

Ans. (d) : ''विवाह स्वयं में एक संस्था है, प्रथा नहीं है।'' यह कथन मैकाइवर एवं पेज का है।

57. सामाजीकरण की चर्चा में, 'स्थिति की परिभाषा का सिद्धांत किसने दिया है?

(a) एस. फ्रायड (b) डब्ल्यू आई. थॉमस
(c) एच. एम. जॉनसन (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : समाजीकरण की चर्चा में, 'स्थिति की परिभाषा' का सिद्धांत डब्ल्यू, आई. थॉमस ने दिया है।

58. निम्न में से कौन सही सुमेलित नहीं है?

	सिद्धांत	सिद्धान्तकार
(a)	प्रकार्यवाद	- रेडिक्लिफ ब्राउन
(b)	संघर्ष	- रॉल्फ डाहरेंडॉर्फ
(c)	प्रघटना विज्ञान	- पीटर ब्लॉ
(d)	प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद	- हर्बर्ट ब्लूमर

Ans. (c) : सुमेलित सूची निम्न प्रकार है-

(सिद्धांत)		(सिद्धान्तकार)
प्रकार्यवाद	-	रेडक्लिक ब्राउन
संघर्ष	-	रॉल्फ डेहरेंडॉर्फ
प्रघटना विज्ञान	-	अल्फ्रेड शूट्ज
प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद	-	हर्बर्ट ब्लूमर

59. दुर्खीम के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सी एक विशिष्ट विशेषता, सामान्य-चेतना की नहीं है?
(a) घनत्व (b) आयतन
(c) तीव्रता (d) निर्धारण

Ans. (a) : दुर्खीम के अनुसार, घनत्व सामान्य-चेतना की विशिष्ट विशेषता नहीं है। जबकी आयतन, तीव्रता एवं निर्धारण सामान्य चेतना की विशिष्ट विशेषता है।

60. निम्नलिखित में से कौन सा वेबर द्वारा प्रस्तुत सत्ता के प्रकारों में से एक नहीं है?
(a) परम्परागत (b) तानाशाही
(c) वैधानिक-तार्किक (d) करिश्माई

Ans. (b) : वेबर द्वारा प्रस्तुत सत्ता के प्रकारों में तानाशाही नहीं है। वेबर ने वैधता के आधार पर सत्ता के निम्न तीन प्रकारों का उल्लेख किया है-
(1) वैधानिक-तार्किक सत्ता (Rational-Legal Authority)
(2) परम्परागत सत्ता (Traditional Authority)
(3) करिश्माई या चमत्कारिक सत्ता (Charismatic Authority)

61. सामाजिक-जीवन के मध्य स्तर पर संबंधों, प्रक्रियाओं और संरचना पर ध्यान केन्द्रित करने वाले सामाजिक - सिद्धांत को जाना जाता है-
(a) सूक्ष्म स्तरीय सिद्धांत (b) बृहद् स्तरीय सिद्धांत
(c) अति-सूक्ष्म स्तरीय सिद्धांत (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (d) : सामाजिक-जीवन के मध्य स्तर पर संबंधों, प्रक्रियाओं और संरचना पर ध्यान केन्द्रित करने वाले सामाजिक सिद्धान्त को मध्य स्तरीय सिद्धान्त कहा जाता है।

62. किसके कारण डब्ल्यू. एफ. आगबर्न ने 150 सामाजिक परिवर्तनों को संकलित किया था?
(a) टेलीविजन (b) रेडियो
(c) टेलीविजन तथा रेडियो (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : रेडियों के कारण डब्ल्यू.एफ. ऑगबर्न ने 150 सामाजिक परिवर्तनों को संकलित किया था।

63. 'ट्वेन्टी स्टेटमेन्ट टेस्ट' (टी0एस0टी0) किसके द्वारा विकसित किया गया था?
(a) लखनऊ स्कूल (b) फ्रैंकफर्ट स्कूल
(c) बम्बई स्कूल (d) शिकागो स्कूल

Ans. (d) : ट्वेन्टी स्टेटमेन्ट टेस्ट (टी.एस.टी.) शिकागो स्कूल द्वारा विकसित किया गया था। अमेरिका में सर्वप्रथम वर्ष 1892 में शिकागो विश्वविद्यालय में ए. डब्ल्यू स्माल (1854 -1926) के नेतृत्व में समाजशास्त्र विभाग की स्थापना हुई इस विभाग द्वारा अध्ययन- अध्यापन एवं शोध की जो परम्परा विकसित की गई, वही कालांतर में समाजशास्त्रीय जगत में शिकागो सम्प्रदाय (स्कूल) के नाम से सुप्रसिद्ध हुई।

64. 'सहयोग' की सर्वप्रथम व्यवस्थित व्याख्या करने वाला प्रथम व्यक्ति कौन था?
(a) जी. वीको (b) पी. क्रोपोत्किन
(c) रैटजेनहॉफर (d) एल.टी. हॉबहाउस

Ans. (a) : सहयोग की सर्वप्रथम व्यवस्थित व्याख्या करने वाला प्रथम व्यक्ति जी. वीको था सहयोग एक सामाजिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति या समूह सामान्य उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संयुक्त प्रयत्न करते हैं।

65. 'प्रस्थिति - समुच्चय', 'भूमिका-समुच्च' एवं 'भूमिका - क्रमबद्धता' जैसी अवधारणाओं के प्रतिपादक हैं-
(a) रॉल्फ लिंटन (b) हार्टन एवं हन्ट
(c) आर.के. मर्टन (d) किंग्सले डेविस

Ans. (c) : 'प्रस्थिति-समुच्चय', 'भूमिका-समुच्चय' एवं 'भूमिका-क्रमबद्धता' जैसी अवधारणाओं के प्रतिपादक आर.के. मर्टन हैं।

66. ''शहरीकरण, जनसंख्या संकेन्द्रण की एक प्रक्रिया है। यह दो तरह से आगे बढ़ती है- एकाग्रता के बिन्दुओं का गुणन और व्यक्तिगत एकाग्रता के आकार में वृद्धि।'' यह कथन किसके द्वारा दिया गया है?
(a) होप टिस्डेल (b) होमर होयट
(c) रॉबर्ट पार्क (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : ''शहरीकरण, जनसंख्या संकेन्द्रण की एक प्रक्रिया है। यह दो तरह से आगे बढ़ती है-एकाग्रता के बिन्दुओं का गुणन और व्यक्तिगत एकाग्रता के आकार में वृद्धि'' यह कथन होप टिस्डेल द्वारा दिया गया है।

67. उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के 'गुजरों' में प्रचलित बहुपति विवाह का अध्ययन किसने किया था?
(a) डी.एन.मजूमदार (b) डब्ल्यू.एच.आर. रिवर्स
(c) टी.एन.मदन (d) विलियम क्रूक

Ans. (d) : उत्तर प्रदेश- के बुलंदशहर जिले के 'गुजरों' में प्रचलित बहुपति विवाह का अध्ययन विलियम क्रूक ने किया था।

68. किसने ऋग्वेद एवं अथर्ववेद में प्रयुक्त नातेदारी-शब्दावली एवं नातेदारी-नियामक व्यवहार का अध्ययन किया था?
(a) लीला दुबे (b) शोभिता जैन
(c) आई.पी.देसाई (d) इरावती कर्वे

Ans. (d) : इरावती कर्वे ने ऋग्वेद एवं अथर्ववेद में प्रयुक्त नातेदारी शब्दावली एवं नातेदारी नियामक व्यवहार का अध्ययन किया था।

69. 'मानवशास्त्रीय संरचनावाद' का पिता किसे कहा जाता है?
(a) सी.लेवी. स्ट्रॉस (b) ई.कुर्जवेल
(c) टी.हॉकेस (d) स्कॉट लैश

Ans. (a) : सी.लेवी. स्ट्रॉस को 'मानवशास्त्रीय संरचनावाद' का पिता कहा जाता है। लेवी-स्ट्रॉस के लिए संरचना, विशेष रूप से मानसिक संरचना के लिए संदर्भित है।

70. पूँजीवाद में अलगाव के अवयव हैं-
(1) उत्पादक गतिविधि
(2) उत्पाद
(3) सहकर्मी श्रमिक
(4) मानवीय सामर्थ्य
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट
(a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3
(c) 1 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

Ans. (d) : पूँजीवाद में अलगाव के अवयव हैं- (1) उत्पादक गतिविधि, (2) उत्पाद, (3) सहकर्मी श्रमिक, (4) मानवीय सामर्थ्य।
मार्क्स द्वारा पहचने गए अलगाव के निम्न चार आयाम हैं-
(1) श्रम का उत्पाद, (2) श्रम की प्रक्रिया,
(3) अन्य और (4) स्वयं।

71. कौन सा समाजशास्त्रीय सिद्धांत 'उल्लंघन-प्रयोग' को एक विधि के रूप में उपयोग करता है?
(a) प्रघटना विज्ञान
(b) लोकविधि विज्ञान
(c) विनिमय सिद्धांत
(d) प्रतीकात्मक-अन्तःक्रियावाद

Ans. (b) : लोकविधि विज्ञान समाजशास्त्रीय सिद्धांत 'उल्लंघन-प्रयोग' को एक विधि के रूप में उपयोग करता है। इस शब्द (लोकविधि विज्ञान) की रचना अमेरिकी विद्वान गारफिंकेल ने अपनी पुस्तक 'स्टडीज इन एथनोमेथडोलॉजी' में किया है। इस शब्द का अर्थ उन विधियों के अध्ययन से है जिनका प्रयोग लोग रोजमर्रा के सामाजिक जीवन में अर्थों और व्यवस्था की रचना करने में करते हैं।

72. किसने कहा है कि, ''साक्षात्कार, समान भागीदारों के बीच वार्तालाप नहीं है''?
(a) सी.सेल्टिज (b) स्टेनर क्वाले
(c) आर. बर्जेस (d) कार्ल पॉपर

Ans. (b) : स्टेनर क्वाले ने कहा है कि, ''साक्षात्कार, समान भागीदारों के बीच वार्तालाप नहीं है।''

73. ''सामजशास्त्र के पूर्व-इतिहास को लगभग 100 वर्षों में रखा जा सकता है, मोटे तौर पर 1750 से 1850 तक।'' ऐसा निर्णायक कथन किसका है?
(a) रॉबर्ट बीरस्टीड (b) मॉरिस गिन्सबर्ग
(c) टी.बी. बोटोमोर (d) मैकाइवर एवं पेज

Ans. (c) : ''समाजशास्त्र के पूर्व-इतिहास को लगभग 100 वर्षों में रखा जा सकता है, मोटे तौर पर 1750 से 1850 तक।'' यह निर्णायक कथन टी.बी. बोटोमोर का है। बोटोमोर ने कहा है सामाजिक विज्ञानों की वैज्ञानिक प्रकृति के विरुद्ध सबसे सबल तर्क यह है कि, 'यह विज्ञान प्राकृतिक नियमों से मिलती-जुलती चीज उत्पन्न नहीं कर सकता।'

74. किसी युग के आदर्श एवं मूल्य में अगर पिछले युग के मुकाबले कुछ नयापन या परिवर्तन दिखाई पड़े, तो उसे किस प्रकार का परिवर्तन कहेंगे?
(a) संरचनात्मक परिवर्तन (b) आंतरिक परिवर्तन
(c) बुनियादी परिवर्तन (d) बाह्य परिवर्तन

Ans. (b) : किसी युग के आदर्श एवं मूल्य में अगर पिछले युग के मुकाबले कुछ नयापन या परिवर्तन दिखाई पड़े तो उसे आंतरिक परिवर्तन कहेंगे।

75. निम्नलिखित में कौन केन्द्रीय-प्रवृत्ति का माप नहीं है?
(a) माध्य (b) काई-वर्ग
(c) माध्यिका (d) बहुलक

Ans. (b) : काई-वर्ग केन्द्रीय प्रवृत्ति का माप नहीं है जबकि माध्य, माध्यिका एवं बहुलक केन्द्रीय प्रवृत्ति का माप है।

76. 'एक्सचेंज एण्ड पावर इन सोशल लाइफ' पुस्तक किसने लिखी है?
(a) जॉर्ज सी. होमैन्स (b) पीटर एम. ब्लॉ
(c) सी.वॉटसन (d) जे.एन. मिशेल

Ans. (b) : 'एक्सचेंज एण्ड पावर इन सोशल लाइफ' पुस्तक के लेखक पीटर एम. ब्लॉ हैं। इनकी अन्य प्रमुख कृतियाँ निम्न प्रकार हैं-
■ Formal organizations: A comparative approach (with W. R. Scott)
■ The organization of academic work.
■ Structural contexts of opportunities.

77. किसने सर्वप्रथम 'आर्थिक-विनिमय' तथा 'सामाजिक-विनिमय' के अन्तर स्पष्ट किया?
(a) जे. फ्रेजर
(b) पी.ब्लॉ
(c) जी. होमैन्स
(d) बी. मैलिनोवस्की

Ans. (d) : बी. मैलिनोवस्की ने सर्वप्रथम आर्थिक विनिमय तथा सामाजिक विनिमय में अन्तर स्पष्ट किया है।

78. वर्ग-स्थिति की अवधारणा को विकसित किया है-
(a) कार्ल मार्क्स ने
(b) लुइस कोजर ने
(c) वी.पैरेटो ने
(d) मैक्स वेबर ने

Ans. (d) : वर्ग-स्थिति की अवधारणा को मैक्स वेबर ने विकसित किया है। उत्पादन के साधन के स्वामित्व के लिए अधीनस्थ के रूप में वर्ग, प्रतिष्ठा और पार्टी (या राजनीति) के साथ वेबर ने एक स्तरीकरण के तीन घटक के सिद्धांत को तैयार किया।

79. किसने जैविकीय-असमानता को प्राकृतिक अथवा शारीरिक के रूप में संदर्भित किया है?
(a) रूसो (b) प्लेटो
(c) अरस्तु (d) सुकरात

Ans. (a) : रूसों ने जैविकीय असमानता को प्राकृतिक अथवा शारीरिक के रूप में संदर्भित किया है। उन्होंने इस काम में सबसे पहले प्रकृति की मानव अवस्था की अपनी अवधारणा को उजागर किया।

80. माध्यिका का सही सूत्र क्या है?
(a) $\mathbf{L_1 + \frac{L_2 - L_1}{f}(M - C)}$
(b) $\mathbf{L_1 - \frac{L_2 + L_1}{f}(M - C)}$
(c) $\mathbf{\frac{L_2 - L_1}{f}(M - C)}$
(d) $\mathbf{\frac{L_1 - L_2 + f}{N}}$

Ans. (a) : माध्यिका का सही सूत्र है–

$$x = L_1 + \frac{L_2 - L_1}{f}(m - c)$$

x = माध्यिका
L_1 = माध्यिका वर्ग विस्तार की निम्न सीमा
L_2 = माध्यिका वर्ग विस्तार की उच्च सीमा
f = माध्यिका वर्ग विस्तार की आवृति
m = माध्यिका संख्या $\left(\frac{M}{2}\right)$ वाँ पद

माध्यिका वह संख्या होती है जो सभी संख्याओं के बिल्कुल बीच में होती है।